काजरी गोंद उत्पादन तकनीक

कुमट से उत्पादित अरबी गोंद का व्यापक रूप से घरेलू उपयोग होता है और इसका स्थानीय बाजार में रू. 1000 प्रति कि.ग्रा. मूल्य है। पश्चिमी राजस्थान में काजरी गोंद उत्पादन तकनीक से किसानों को अतिरिक्त आय के साथ रोजगार भी प्राप्त हुआ है।

- कुमट वृक्ष अरबी गोंद का मुख्य स्त्रोत है जो कि सामान्यतः पश्चिमी राजस्थान में पाया जाता है।
- पारम्परिक विधि से गोंद का उत्पादन कुमट वृक्ष के तने के कुछ हिस्सों पर घाव अथवा चीरा लगाने से होता है।
- इस पारम्परिक विधि से मात्र 15–25 ग्राम प्रति वृक्ष ही गोंद का उत्पादन होता है।

अरबी गोंद उत्पादन बढ़ाने हेतु काजरी गोंद उत्प्रेरण तकनीक

- इस विधि से गोंद का औसत उत्पादन 500 ग्राम प्रति वृक्ष है जो कि पारम्परिक विधि से लगभग 25 गुना अधिक है।
- सतत् गोंद उत्पादन की दिशा में लगातार और व्यवस्थित प्रयास भारत के आयात बिल को काफी हद तक कम करते हैं।

- विगत 10 वर्षों में कुल 247.17 हजार कुमट के वृक्षों को उपचारित किया गया है जिससे 102.8 टन अरबी गोंद का उत्पादन किया जा चुका है।
- इस तकनीक से गाँवों में रू. 698.79 लाख की अतिरिक्त आय हुई और काजरी को गोंद के इंजेक्शन की आपूर्ति से रू. 30.53 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ।

तकनीक

योगदान: **शिरन कलापुरक्कल**
भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर 342 003 (भारत)
www.cazri.res.in

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands